HINDI

(*Three hours*)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

---

*This paper comprises of two Sections—**Section A** and **Section B.***

*Attempt **all** the questions from Section A.*

*Attempt any **four** questions from Section B, answering at least **one** question each from the two books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

*Attempt **all** questions*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :— [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी में** लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :—

(i) भारतीय तथा पाश्चात्य संस्कृति का वर्णन करते हुए पाश्चात्य संस्कृति की कुछ अपनाने योग्य बातों पर प्रकाश डालिए।

(ii) आज खेलों में फैला भ्रष्टाचार एक नया ही रूप ले रहा है, विषय को स्पष्ट करते हुए, अपने प्रिय खेल का वर्णन कीजिए तथा जीवन में खेलों की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

(iii) अपने जीवन में घटी उस घटना का वर्णन कीजिये जिसे याद करके, आप आज भी हँसे बिना नहीं रहते तथा इससे आपको क्या लाभ मिलता है।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार हो :—

"जाको राखे साइयाँ मार सके न कोय''।

This Paper consists of 12 printed pages.

© *Copyright reserved.*

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"वहाँ नहीं, आपको मेरे साथ चलना है। आपको जनता के पास चलना है। जनता बड़ी उत्तेजना में है विद्यार्थी पीछे रह गये, दूसरे समाजद्रोही तत्व आगे आ गए हैं और विजय ने गोली चलाने से इनकार कर दिया है।''

-सीमा रेखा-

लेखक—विष्णु प्रभाकर

(i) वक्ता तथा श्रोता का परिचय दीजिए। [2]

(ii) श्रोता कहाँ जा रहा था एवं क्यों ? [2]

(iii) सीमा रेखा एकांकी के शीर्षक का औचित्य स्पष्ट कीजिये। [3]

(iv) पारिवारिक सम्बन्धों की अपेक्षा कर्तव्य-पालन अधिक महत्वपूर्ण होता है — प्रस्तुत कथन को आधार बनाकर एक अनुच्छेद लिखिए। [3]

काव्य-चन्द्रिका

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोइ।
अपना तन शीतल करे, औरन को सुख होइ।।
कस्तूरी कुंडलि बसे, मृग ढूँढे बन माँहि।
ऐसे घटि-घटि राम हैं, दुनियाँ देखे नाहि।।
तिनका कबहुँ न निन्दिए, जो पायन तर होय।
कबहुँक उड़ि आँखिन परै, पीर घनेरी होय।।

-नीति के दोहे-
कवि–कबीर दास

(i) कवि कैसी बोली बोलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, इससे क्या लाभ होता है ? [2]

(ii) कस्तूरी मृग के माध्यम से कवि मानव मन के किस अज्ञान का वर्णन कर रहे हैं ? स्पष्ट कीजिये। [2]

(iii) तिनके जैसी छोटी चीज़ का निरादर क्यों नहीं करना चाहिए ? ऐसा करने से क्या हानि होती है ? [3]

(iv) कबीरदास जी किस भक्ति-धारा के कवि थे ? उनके विषय में एक अनुच्छेद लिखिये। [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

क्षुधार्थ रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

-मानवता-

कवि—मैथिलीशरण गुप्त

(i) यह कविता कहाँ से ली गयी है ? इसके माध्यम से कवि ने किन जीवन-मूल्यों का वर्णन किया है ? [2]

(ii) 'दधीचि' कौन थे ? उन्होंने मानवता का परिचय किस प्रकार दिया था ? [2]

(iii) "अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे" — पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिये। [3]

(iv) 'मानवता' से आप क्या समझते हैं ? इस कविता से आपको क्या प्रेरणा मिली ? [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

तू तरुण देश से पूछ, अरे,
गूँजा यह कैसा ध्वंस-राग ?
अंबुधि-अंतस्तल बीच छिपी
यह सुलग रही है कौन आग ?
प्राची के प्रांगण-बीच देख,
जल रहा स्वर्ण-युग-अग्नि-ज्वाल।
तू सिंहनाद कर जाग, तपी।
मेरे नगपति ! मेरे विशाल।

-हिमालय-

कवि—रामधारी सिंह दिनकर

(i) 'तरुण देश' का सन्दर्भ स्पष्ट करते हुए लिखिये कि यहाँ किस 'ध्वंस राग' की बात की जा रही है। [2]

(ii) 'जल रहा स्वर्ण-युग-अग्नि-ज्वाल' का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) हिमालय का भारत की सभ्यता और संस्कृति से क्या सम्बन्ध है ? हिमालय को सुरक्षित रखना आज के युग की प्राथमिकता क्यों है ? [3]

(iv) शब्दार्थ दीजिए :— [3]

सिंहनाद, अंबुधि, ध्वंस, प्राची, सुलगना, स्वर्ण।

(v) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए **अथवा** कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

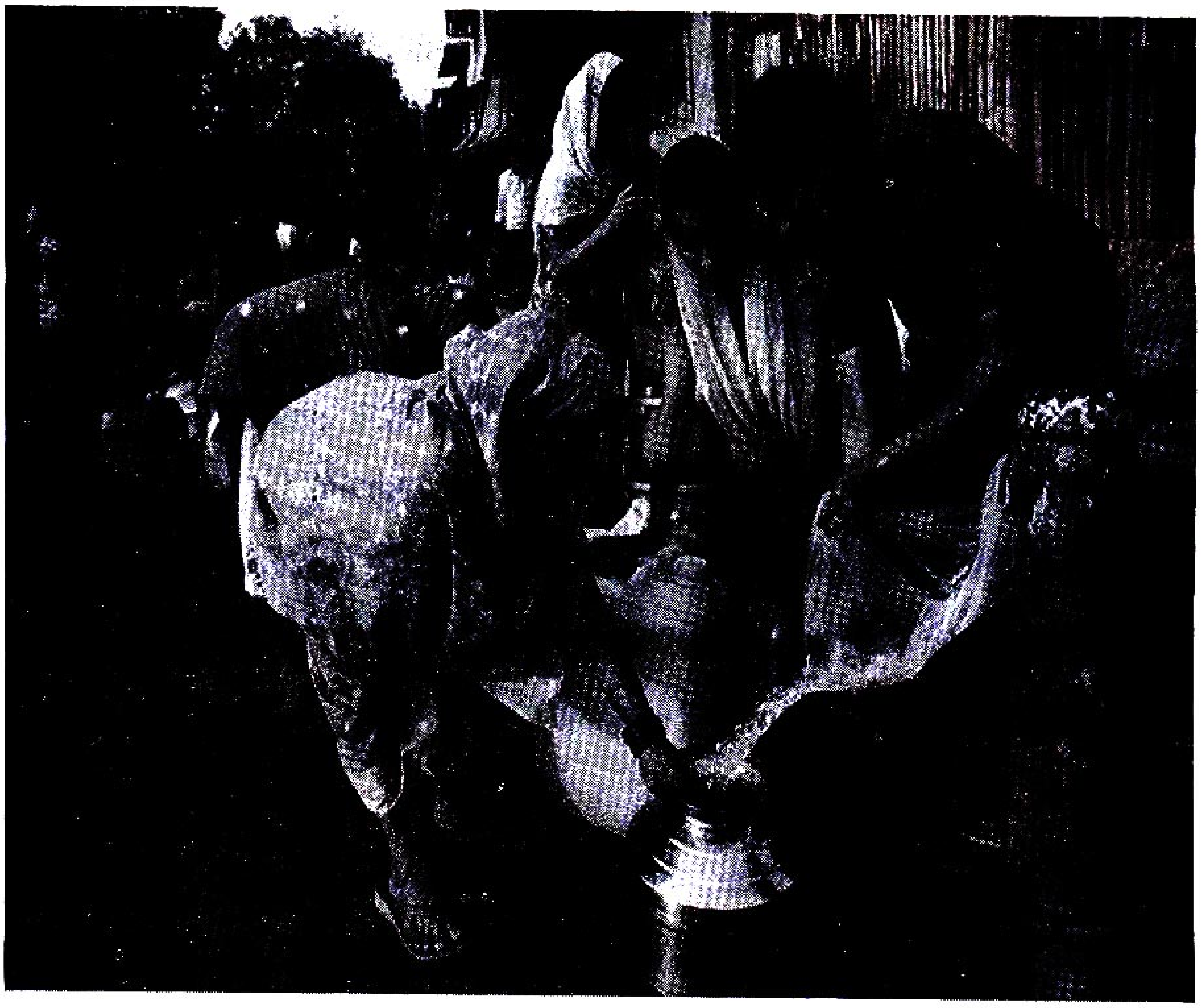

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :— [7]

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिये :—

(i) आप किसी स्थान विशेष की यात्रा करना चाहते हैं। उस स्थान की जानकारी प्राप्त करने के लिए, उस क्षेत्र के पर्यटन विभाग के अधिकारी को पत्र लिख कर पूछताछ कीजिये।

(ii) आपका भाई अपना अधिकांश समय मोबाइल फोन के उपयोग में बिताता है। मोबाइल फोन के अधिक उपयोग करने से होने वाली हानियों का उल्लेख करते हुए, उसे पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिएँ :—

महान रसायनशास्त्री आचार्य नागार्जुन को अपनी प्रयोगशाला के लिये दो सहायकों की आवश्यकता थी। अनेक युवक उनके पास आये और निवेदन किया कि वे उन्हें अपने सहायक के रूप में नियुक्त कर लें। लेकिन परीक्षा लेने पर सभी प्रत्याशी अयोग्य साबित हुए। अंत में आचार्य निराश हो गए। उनकी निराशा का कारण यह था कि युवकों में रसायनशास्त्र के ज्ञाता तो बहुत थे और अपने विषय से परिचित भी, लेकिन एक रसायनशास्त्री के लिए जो एक पवित्र ध्येय होता है, उसका सभी में अभाव था। प्रत्याशियों में से किसी को अपने वेतन की चिंता थी, किसी को अपने परिवार की, तो किसी को अपना भविष्य उज्ज्वल बनाना था। पर आचार्य नागार्जुन को ऐसे सहायक की आवश्यकता नहीं थी। उनके मन और विचार में कुछ और ही था। निराश होकर उन्होंने सहायक की आवश्यकता होते हुए भी स्वयं ही सारा कार्य करने का निश्चय कर लिया।

कुछ दिन बाद ही दो युवक आचार्य के पास आये। उन्होंने उनसे निवेदन किया कि वे उन्हें अपना सहायक नियुक्त कर लें। आचार्य ने पहले तो उन्हें लौटा देना चाहा, लेकिन युवकों के अधिक आग्रह पर उन्होंने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। आचार्य ने दोनों युवकों को एक पदार्थ देकर दो दिन के भीतर ही उसका रसायन तैयार कर लाने को कहा। दोनों युवक पदार्थ लेकर अपने घर लौट गए।

दो दिन बाद एक युवक रसायन तैयार करके सुबह-सुबह ही उनके पास पहुँचा और रसायन का पात्र उन्हें देते हुए बोला "लीजिए आचार्य जी, रसायन तैयार है"। रसायन के पात्र की ओर बिना देखे ही आचार्य ने प्रश्न किया, "तो रसायन तैयार कर लिया तुमने ?"

रसायन का पात्र एक ओर रखते हुए युवक ने कहा, "जी हाँ।" आचार्य ने दूसरा प्रश्न किया, "रसायन तैयार करते समय किसी भी प्रकार की कोई बाधा तो उपस्थित नहीं हुई ?" युवक ने सकुचाते हुए उत्तर दिया, "बाधायें तो बहुत आई थीं, लेकिन मैंने किसी भी बाधा की चिंता किये बिना अपना कार्य चालू ही रखा तथा रसायन तैयार कर लिया। यदि मैं बाधाओं में उलझ गया होता, तो रसायन तैयार हो ही नहीं सकता था। एक ओर तो पिता के पेट में भयंकर शूल था, दूसरी ओर मेरी माता ज्वर से पीड़ित थी। ऊपर से मेरा छोटा भाई टांग तुड़वाकर पीड़ा से कराह रहा था। परन्तु ये बातें मुझे रसायन बनाने से विचलित नहीं कर सकीं।"

तभी दूसरा युवक खाली हाथ आकर वहाँ खड़ा हो गया। आचार्य जी ने उससे पूछा, "रसायन कहाँ है ?" युवक ने झिझकते हुए उत्तर दिया, "आचार्यजी, मैं क्षमा चाहता हूँ। मैं रसायन तैयार नहीं कर सका क्योंकि जाते समय मार्ग में एक वृद्ध व्यक्ति मिल गया था। वह एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। मेरा सारा समय उसकी सेवा में ही व्यतीत हो गया।"

आचार्य ने पहले युवक से कहा, "तुम जा सकते हो। मुझे तुम्हारी आवश्यकता नहीं। रसायनशास्त्री यदि पीड़ा से कराहते हुए व्यक्ति की उपेक्षा करे, तो वह अपने शास्त्र में अपूर्ण है।" दूसरे व्यक्ति को उन्होंने अपना सहायक नियुक्त कर लिया। भविष्य में वही युवक उनका दायाँ हाथ बना और उन्हें अति प्रिय लगने लगा।

(i) आचार्य को कैसे सहायकों की आवश्यकता थी और क्यों ? [2]

(ii) आचार्य की निराशा का क्या कारण था ? निराश होकर उन्होंने क्या किया ? [2]

(iii) आचार्य ने दोनों युवकों की परीक्षा लेने का क्या उपाय सोचा तथा क्यों ? [2]

(iv) दूसरा युवक रसायन क्यों तैयार नहीं कर सका ? इससे उसके चरित्र का कौन-सा गुण स्पष्ट होता है ? [2]

(v) आचार्य ने अपना सहायक किसे और क्यों चुना ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

(i) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइए :— [1]

रसायन, नुकसान।

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के **दो-दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए :— [1]

बाधा, पीड़ा।

(iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :— [1]

अंत, पवित्र, निराशा, भविष्य।

(iv) भाववाचक संज्ञा बनाइए :— [1]

अतिथि, निपुण।

(v) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** की सहायता से वाक्य बनाइए :— [1]

टका सा जवाब देना, सिक्का जमाना।

(vi) कोष्ठक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :—

(a) अंत में आचार्य निराश हो गए। [1]

(आशा शब्द का प्रयोग कीजिये)

(b) वह मुझे अति प्रिय लगने लगा। [1]

(वाक्य को भविष्यत् काल में बदलिए)

(c) उसका कार्य प्रशंसा के योग्य था। [1]

(रेखांकित के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य पुन: लिखिये)

SECTION B (40 Marks)

*Attempt **four** questions from this Section.*
*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

गद्य-संकलन

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"चाचाजी वहाँ भी गया था, पूरे दिन लाइन में खड़ा रहने पर जब मेरी बारी आई तो अफसर बोला- "भाई, नाम तो लिख लेता हूँ पर जल्दी नौकरी पाने की कोई आशा मत करना''।

-भीड़ में खोया आदमी-
लेखक—लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय'

(i) वक्ता का परिचय देते हुए बताइए कि यहाँ चाचाजी का संबोधन किसके लिए किया गया है ? [2]

(ii) यहाँ किस कार्यालय की लाइन में खड़े होने की बात की जा रही है तथा क्यों ? [2]

(iii) वक्ता की बातों से लेखक क्या सोचने पर विवश हो जाता है तथा क्यों ? [3]

(iv) यह किस प्रकार का निबंध है तथा इस निबंध में देश की किस समस्या पर ध्यान आकर्षित किया गया है ? इससे देश को क्या नुक्सान हो रहा है ? [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

जब मेरा जन्म भी नहीं हुआ था, तब से वे इस स्कूल में शिक्षक का काम कर रहे हैं। वे तो स्थिर रहे हैं, परन्तु उनकी आयु उनकी तरह स्थिर नहीं रह सकी।

-मेरे मास्टर साहब-
लेखक—चंद्रगुप्त विद्यालंकार

(i) यहाँ किस के विषय में बात की जा रही है ? उसका लेखक के साथ क्या संबंध है ? [2]

(ii) मुख्याध्यापक के रूप में लेखक का विद्यालय में कैसा प्रभाव था ? [2]

(iii) मुख्याध्यापक बनने के बाद भी लेखक अपने प्रिय मास्टर साहब के साथ किन-किन बातों का ध्यान रखते थे ? लेखक की नियुक्ति का मास्टर साहब पर क्या प्रभाव पड़ा ? [3]

(iv) 'गुरु-शिष्य परम्परा' को वर्तमान समय ने किस प्रकार प्रभावित किया है ? 'गुरु-शिष्य परम्परा' के आदर्श रूप को बनाये रखने के लिए क्या उपाय किये जाने चाहिए ? [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

—यह माँ का झमेला ही रहेगा— उन्होंने फिर अंग्रेजी में अपनी स्त्री से कहा— कोई ढंग की बात हो तो, भी कोई कहे। अगर कहीं कोई उल्टी-सीधी बात हो गयी, चीफ़ को बुरा लगा, तो सारा मज़ा जाता रहेगा।

-चीफ की दावत-

लेखक—भीष्म साहनी

(i) वक्ता तथा श्रोता कौन है, वक्ता माँ को झमेला क्यों कह रहा है ? [2]

(ii) श्रोता किस बात को लेकर चिंतित है, क्या उसका चिंतित होना उचित है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए। [2]

(iii) चीफ़ कौन है ? उसको घर में बुलाने का क्या उद्देश्य है ? उसके लिए क्या-क्या तैयारियाँ की जा रही हैं ? [3]

(iv) प्रस्तुत कहानी के आधार पर सामाजिक जीवन की मूल्यहीनता व समाज में फैले भ्रष्टाचार का वर्णन कीजिए। [3]

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक—प्रकाश नगायच

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"ठीक कहते हो कुमार ! समय की प्रतीक्षा करो, भगवान् महाकाल तुम्हारी सहायता करेंगे।"

(i) यहाँ कुमार शब्द का प्रयोग किसके लिए किया जा रहा है ? उसे समय की प्रतीक्षा क्यों करनी पड़ेगी ? [2]

(ii) महाकाल भगवान सहायता करेंगे, यहाँ किसकी सहायता की बात की जा रही है ? इस सहायता की आवश्यकता क्यों पड़ रही है ? [2]

(iii) इस समय कुमार की विवशता का क्या कारण है ? क्या उनका भय उचित था ? [3]

(iv) रामगुप्त की काली करतूतों का वर्णन कीजिए। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"भारतीय कन्याएँ जीवन में पति का वरण केवल एक बार करती हैं, सो आप आज से दो वर्ष पहले ही कर चुकी हैं ...... और फिर रामगुप्त की दुर्बलता किसी से छिपी नहीं।"

(i) 'भारतीय कन्याएँ' से क्या तात्पर्य है ? उनकी कौन-सी विशेषताओं का वर्णन किया गया है ? [2]

(ii) किसने, किसका वरण किया था ? यह कार्य किसकी आज्ञा से हुआ और क्यों ? [2]

(iii) रामगुप्त कौन है ? यह किसका पति होने के योग्य नहीं है और क्यों ? समझाइए। [3]

(iv) शकराज कौन था ? उसने रामगुप्त की सेना को किस प्रकार सरलता से घेर लिया ? समझाइए। [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

चंद्रगुप्त ने चौंककर पूछा और झल्लाहट-भरे स्वर में बोला — "जब विनाश काल आता है, बुद्धि नष्ट हो जाती है।"

(i) चंद्रगुप्त कौन है ? वह किससे तथा कब बात कर रहा है ? [2]

(ii) चंद्रगुप्त ऐसा क्यों कहता है कि विनाश काल में बुद्धि नष्ट हो जाती है। यहाँ किसकी बुद्धि नष्ट हो गयी है ? [2]

(iii) ऐसा क्या हो रहा था कि विनाश तक की बात सोची जा रही थी ? [3]

(iv) प्रस्तुत उपन्यास के आधार पर सिद्ध कीजिए कि सिंहासन पर बैठने का अधिकार केवल योग्य और वीर पुरुष को ही होता है। [3]

एकांकी सुमन

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"यह तो अपनी-अपनी समझ की बात है। मैं तो कहूँगा दोनों ने अक्लमंदी की। लड़की वालों ने भी और लड़के वालों ने भी। इस महँगाई के ज़माने में सैकड़ों की बारात लेकर चलना अक्लमंदी की बात नहीं है।''

-मेल मिलाप-

लेखक—देवराज दिनेश

(i) वक्ता कौन है ? वह कैसा व्यक्ति है ? [2]

(ii) वक्ता के कथन के उत्तर में श्रोता ने क्या कहा तथा क्यों ? [2]

(iii) यहाँ किस 'अक्लमंदी' की बात की जा रही है ? इसके माध्यम से हमें क्या सीख मिलती है ? [3]

(iv) 'मेल-मिलाप' ही स्वस्थ समाज की रीढ़ है'' — इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिये। [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"महाराज सब बंदोबस्त आप ही देखते हैं। सारी फ़ौज को उतारकर खुद नाव पकड़ेंगे। इस उमर में और यह हिम्मत ! सुना है, अस्सी बरस के हो चुके।''

-विजय की वेला-

लेखक—जगदीश चंद्र माथुर

(i) प्रस्तुत कथन के वक्ता तथा श्रोता का परिचय दीजिए। [2]

(ii) महाराज कौन थे ? युद्ध के बारे में उनके क्या विचार थे ? [2]

(iii) प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिये। [3]

(iv) प्रस्तुत एकांकी की पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए, इसकी मुख्य विशेषता बताइए। [3]